अनुदान संख्या 88 – अंतरिक्ष विभाग
GRANT No. 88–DEPARTMENT OF SPACE

		कुल अनुदान या विनियोग Total grant or appropriation	वास्तविक व्यय Actual expenditure	बचत- Saving–
				(हजार रुपयों में) (In thousands of rupees)
राजस्व:	**Revenue:**			
प्रभारित-	*Charged–*	*41,00*	*29,49*	*–11,51*
वर्ष के दौरान अभ्यर्पित राशि	*Amount surrendered during the year*			*शून्य Nil*
स्वीकृत-	Voted–	2277,11,00	1902,30,47	–374,80,53
वर्ष के दौरान अभ्यर्पित राशि	Amount surrendered during the year			367,18,00
पूंजीगत:	**Capital:**			
प्रभारित-	*Charged–*	*35,00*	*32,00*	*–3,00*
वर्ष के दौरान अभ्यर्पित राशि	*Amount surrendered during the year*			*शून्य Nil*
स्वीकृत-	Voted–	1580,93,00	1375,08,49	–205,84,51
वर्ष के दौरान अभ्यर्पित राशि	Amount surrendered during the year			201,53,00

टीका और टिप्पणियां

1. अनुदान के राजस्व भाग के *प्रभारित* अंश में, *8.00 लाख रु.* का *विनियोग* तीन शीर्षों के अंतर्गत पूर्णतया अप्रयुक्त रहा।

2. अनुदान के राजस्व भाग के स्वीकृत अंश में, बचतें/अधिक व्यय निम्नलिखित मुख्य शीर्षों के अंतर्गत हुईं/हुआ:-

Notes and comments

1. In the *charged* portion of the revenue section of the grant, *appropriation* of *Rs.8.00 lakhs* remained wholly unutilised under three heads.

2. In the voted portion of the revenue section of the grant, savings/excess occurred under the following major heads:-

(लाख रुपयों में)
(In lakhs of rupees)

शीर्ष	Head				
मुख्य शीर्ष "3252" उपग्रह प्रणालियां	Major Head "3252" Satellite Systems				
मू.	O.	12934.00	7004.00	6997.40	–6.60
पु.	R.	–5930.00			

				कुल अनुदान Total grant	वास्तविक व्यय Actual expenditure	बचत- Saving–
						(लाख रुपयों में) (In lakhs of rupees)
शीर्ष		Head				
मुख्य शीर्ष "3402" अंतरिक्ष अनुसंधान		Major Head "3402" Space Research				
मू.	O.		214306.00	183497.00	182744.46	–752.54
पु.	R.		–30809.00			

(I) 2812.00 लाख रु. का प्रावधान सात शीर्षों के अंतर्गत पूर्णतया अप्रयुक्त रहा; जिसमें से 2700.00 लाख रु. मुख्य शीर्ष "3402" के अंतर्गत निम्नलिखित शीर्षों के अंतर्गत लेखाबद्ध किए गए:-

(का) "अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी" -

(क) "उन्नत संचार उपग्रह" - 1000.00 लाख रु.; और

(ख) "भू प्रेक्षक - नए मिशन (जिओ-एचआर, अल्टिका - आरगोस)" - 500.00 लाख रु.।

उपर्युक्त दो शीर्षों के अंतर्गत प्रावधान परियोजना को अनुमोदन प्रदान न किए जाने के कारण अप्रयुक्त रहा।

(ग) "सेमी क्रायोजेनिक इंजन/चरण विकास" - 1000.00 लाख रु. परियोजना के लिए वित्तीय स्वीकृति प्राप्त न होने के कारण थे।

(खा) "अंतरिक्ष विज्ञान - वायुमंडलीय अध्ययन के लिए लघु उपग्रह" - 200.00 लाख रु. लघु उपग्रह परियोजना को अनुमोदन प्रदान न किए जाने के कारण थे।

(II) मुख्य शीर्ष "3252" - "प्रचालन और अनुरक्षण" के अंतर्गत बचतें निम्नलिखित शीर्षों के अंतर्गत हुईं:-

(I) Provision of Rs.2812.00 lakhs remained wholly unutilised under seven heads; of these Rs.2700.00 lakhs accounted for under Major Head "3402" – under the following heads:-

(A) "Space Technology" –

(a) "Advanced Communication Satellite" – Rs.1000.00 lakhs; and

(b) "Earth Observation – New Missions (Geo-HR, ALTIKA – ARGOS)" - Rs.500.00 lakhs.

Provisions under the above two heads remained unutilised due to non-approval of the project.

(c) "Semi Crygonic Engine/Stage Development" - Rs.1000.00 lakhs – due to non-receipt of financial sanction for the project.

(B) "Space Sciences - Small Satellite for Atmospheric Studies" – Rs.200.00 lakhs – due to non-approval of the small satellite project.

(II) Under Major Head "3252" - "Operations and Maintenance" – savings occurred under the following heads:-

(का) ''मुख्य नियंत्रण सुविधा'' - 350.00 लाख रु. की बचत (2499.00 लाख रु. के स्वीकृत प्राधान की तुलना में) इन्सेट-2ई कक्षागत बीमा प्रभार के लिए प्रीमियम कम होने के कारण हुई।

(खा) ''इन्सेट - 3 उपग्रह'' - 2323.83 लाख रु. की बचत (2925.00 लाख रु. के स्वीकृत प्राधान की तुलना में) इन्सेट-3 शृंखला के उपग्रहों के लिए संघटकों/सामग्री की अधिप्राप्ति संबंधी व्यय को चरणबद्ध किए जाने के कारण हुई।

(गा) ''इन्सेट - 4 उपग्रह'' - 3152.77 लाख रु. की बचत (7400.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) संशोधित सुपुर्दगी कार्यक्रम के आधार पर आपूर्तियों और सामग्रियों संबंधी अदायगियों को अगले वर्ष के लिए जमा किए जाने के कारण हुई।

(III) मुख्य शीर्ष ''3402'' के अंतर्गत बचतें निम्नलिखित शीर्षों के अंतर्गत हुईं:-

(का) ''अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी'' -

(क) ''विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र'' - 1238.99 लाख रु. की बचत (25020.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) विकासात्मक कार्यक्रम के आधार पर पुन:प्रयोज्य प्रक्षेपण वाहनों, वायु श्वसन प्रणोदन और अन्य कार्यकलापों से संबंधित व्यय को स्थगित किए जाने के कारण हुई।

(ख) ''भू-तुल्यकालिक उपग्रह प्रक्षेपण वाहन परियोजना'' - 149.70 लाख रु. की बचत (900.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) भू-तुल्यकालिक उपग्रह प्रक्षेपण वाहन के प्रक्षेपण को स्थगित किए जाने के कारण हुई।

(ग) ''जीएसएलवी एमके-III-विकास'' - 8061.51 लाख रु. की बचत (23100.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) एस-200, क्रायोजेनिक चरण सी25, बड़ा द्रव एल 100 चरण, वैमानिकी और प्रक्षेपण वाहन प्रणालियों से संबंधित आपूर्तियों एवं सामग्रियों तथा अन्य सामग्रियों की अधिप्राप्ति को अगले वित्तीय वर्ष के लिए स्थगित किए जाने के कारण हुई।

(A) "Master Control Facility (MCF)"– saving of Rs.350.00 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.2499.00 lakhs) was due to reduced premium for INSAT – 2E on-orbit insurance charges.

(B) "INSAT – 3 Satellites" – saving of Rs.2323.83 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.2925.00 lakhs) was due to phasing out of expenditure on procurement of components/ materials for INSAT–3 series of satellites.

(C) "INSAT – 4 Satellites" – saving of Rs.3152.77 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.7400.00 lakhs) was due to spill over of payments on supplies and materials to next year based on revised delivery schedule.

(III) Under Major Head "3402" – savings occurred under the following heads:-

(A) "Space Technology" –

(a) "Vikram Sarabhai Space Centre (VSSC)"– saving of Rs.1238.99 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.25020.00 lakhs) was due to postponement of expenditure related to Reusable Launch Vehicles, Air breathing propulsion and other activities based on developmental schedules.

(b) "Geo-Synchronous Satellite Launch Vehicle (GSLV) Project" - saving of Rs.149.70 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.900.00 lakhs) was due to postponement of GSLV launch.

(c) "GSLV MK-III - Development" – saving of Rs.8061.51 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.23100.00 lakhs) was due to postponement of procurement of supplies and materials related to large solid booster for S–200, Cryogenic stage C25, Large liquid L100 stage, avionics and launch vehicle systems and other materials to next financial year.

(घ) ''द्रव प्रणोदन प्रणाली केंद्र'' - 4975.50 लाख रु. की बचत (19675.50 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) क्रायो चरण प्रणाली परीक्षण सुविधाओं की अधिप्राप्ति, सेमी क्रायो सुविधाओं संबंधी परामर्शदात्री संविदा को अगले वित्तीय वर्ष के लिए स्थगित किए जाने और छात्रवृत्तियां और वजीफा शीर्ष के अंतर्गत कम आवश्यकता होने के कारण हुई।

(ङ) ''इसरो रेडार विकास इकाई'' - 222.56 लाख रु. की बचत (432.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) आपूर्तियों और सामग्रियों के सुपुर्दगी कार्यक्रम के संशोधित होने के कारण हुई।

(च) ''अंतरिक्ष कैप्सूल रिकवरी प्रयोग'' - 545.11 लाख रु. की बचत (945.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) एसआरई-2 मिशन का कार्यक्रम पुनर्निर्धारित करके 2009-2010 कर दिए जाने के कारण हुई।

(छ) ''रेडार चित्रांकन उपग्रह-1'' - 978.31 लाख रु. की बचत (1200.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) सिंथेटिक अपरचर रेडार पेलोड, अंतरिक्षयान उप प्रणाली के निर्माण और संशोधित परीक्षण कार्यक्रमों पर आधारित परीक्षण प्रभारों संबंधी व्यय को चरणबद्ध किए जाने के कारण हुई।

(ज) ''जीसेट-4'' - 284.42 लाख रु. की बचत (734.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) उपग्रह के प्रक्षेपण को अगले वित्तीय वर्ष के लिए स्थगित किए जाने के कारण हुई।

(झ) ''रिसोर्ससेट-2'' - 341.65 लाख रु. की बचत (600.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) कुछ संघटकों, उप प्रणालियों और उपस्करों के पोतारोहण में विलंब होने के कारण हुई।

(ञ) ''दिशानिर्देशात्मक उपग्रह प्रणाली'' - 1017.77 लाख रु. की बचत (1500.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) अंतरिक्षयान और पेलोड उप प्रणालियों के निर्माण संबंधी व्यय को चरणबद्ध किए जाने के कारण हुई।

(d) "Liquid Propulsion Systems Centre" – saving of Rs.4975.50 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.19675.50 lakhs) was due to postponement of procurement of Cryo-Stage system test facility, consultancy contract for semi-cryo facilities to the next financial year and less requirement under scholarships and stipends head.

(e) "ISRO Radar Development Unit (ISRAD)" – saving of Rs.222.56 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.432.00 lakhs) was due to revised delivery schedule for supplies and materials.

(f) "Space Capsule Recovery Experiment" – saving of Rs.545.11 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.945.00 lakhs) was due to rescheduling of SRE–2 mission to 2009–2010.

(g) "Radar Imaging satellite–1 (RISAT–1)" – saving of Rs.978.31 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.1200.00 lakhs) was due to phasing out of expenditure on synthetic aperture radar payload, fabrication of spacecraft subsystem and test charges based on revised test schedules.

(h) "GSAT–4" – saving of Rs.284.42 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.734.00 lakhs) was due to postponement of the launch of the satellite to the next financial year.

(i) "Resourcesat–2" - saving of Rs.341.65 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.600.00 lakhs) was due to delay in shipment of certain components, sub systems and equipments.

(j) "Navigational Satellite System" – saving of Rs.1017.77 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.1500.00 lakhs) was due to phasing out of expenditure on fabrication of spacecraft and payload subsystems.

(ट) ''ओशनसेट-2'' - 615.18 लाख रु. की बचत (900.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) पेलोड और अंतरिक्षयान परीक्षण कार्यकलापों का पुनर्निर्धारण अगले वित्तीय वर्ष के लिए किए जाने के कारण हुई।

(ठ) ''मानवयुक्त (मैंड) मिशन का सूत्रपात'' - 2188.72 लाख रु. की बचत (2500.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) आपूर्तियों और सामग्रियों तथा निर्माण प्रभारों पर कम व्यय होने के कारण हुई।

(खा) ''अंतरिक्ष अनुप्रयोग'' -

(क) ''अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र'' - 1066.53 लाख रु. की बचत (11145.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) विकासात्मक कार्यकलापों पर आधारित प्रौद्योगिकी विकास कार्यकलापों से संबंधित माइक्रोवेव सुदूर संवेदन संबंधी व्यय को चरणबद्ध किए जाने और चिकित्सा व्ययों एवं यात्रा के लिए कम आवश्यकता होने के कारण हुई।

(ख) ''विकास और शैक्षिक संचार इकाई'' - 694.17 लाख रु. की बचत (8136.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) उपस्करों के प्रतिष्ठापन के लिए आपूर्तियों की सुपुर्दगी और स्थलों के तैयार होने की स्थिति के आधार पर दूर-शिक्षा और ग्राम संसाधन केंद्रों तथा यात्रा एवं कार्यालय व्ययों आदि के लिए कम आवश्यकता होने के कारण हुई।

(ग) ''राष्ट्रीय प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन प्रणालियां'' - 4717.66 लाख की बचत (5397.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) मामला-प्रति-मामला समीक्षा के आधार पर प्राकृतिक संसाधनों की गणना, प्राकृतिक संसाधन आंकड़ा आधार और बड़े स्तर पर मानचित्रण संबंधी आवश्यकता को चरणबद्ध किए जाने के कारण हुई।

(घ) ''आपदा प्रबंधन प्रणाली'' - 2190.00 लाख रु. की बचत (4000.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) अंकीय आंकड़ा आधार सृजन, वायुवाहित

(k) "Oceansat –2" – saving of Rs.615.18 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.900.00 lakhs) was due to rescheduling of payload and spacecraft testing activities to the next financial year.

(l) "Manned Mission Initiatives" – saving of Rs.2188.72 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.2500.00 lakhs) was due to less expenditure on supplies and materials and fabrication charges.

(B) "Space Applications" –

(a) "Space Applications Centre (SAC)"– saving of Rs.1066.53 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.11145.00 lakhs) was due to phasing out of expenditure on microwave remote sensing related technology development activities based on development activities and reduced requirement towards medical expenses and travel.

(b) "Development and Educational Communication Unit (DECU)" – saving of Rs.694.17 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.8136.00 lakhs) was due to reduced requirement for Tele-Education and Village Resource Centers based on the delivery status of the supplies and readiness of sites for installation of equipments and towards travel and office expenses.

(c) "National Natural Recources Management Systems (NNRMS)" – saving of Rs.4717.66 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.5397.00 lakhs) was due to phasing out of requirement for Natural Resources Census, Natural Resources Data Base and Large Scale Mapping based on case-by-case review.

(d) "Disaster Management System" – saving of Rs.2190.00 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.4000.00 lakhs) was due to phasing out of expenditure on digital data

सिंथेटिक रेडार विकास और अन्य कार्यकलापों संबंधी व्यय को चरणबद्ध किए जाने के कारण हुई।

(गा) ''अंतरिक्ष विज्ञान'' -

(क) ''इसरो - भूमंडल, जीवमंडल कार्यक्रम'' - 508.41 लाख रु. की बचत (2532.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) विशेष वायु विलय, रेडियोधर्मी, लघु उपग्रह मिशन उपयोग और क्षेत्रीय जलवायु प्रतिरूपण एवं प्रभाव निर्धारण के लिए कम आवश्यकता होने के कारण हुई।

(ख) ''राष्ट्रीय वायुमंडलीय अनुसंधान प्रयोगशाला'' - 167.00 लाख रु. की बचत (962.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) विकास की स्थिति के आधार पर बादल रेडार और वायु प्रोफाइलर कार्यकलापों के लिए कम आवश्यकता होने के कारण हुई।

(ग) ''अन्य स्कीमें'' - 913.07 लाख रु. की बचत (1651.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) बहु-सांस्थानिक परियोजनाओं, सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण अध्ययन और अन्य अंतरिक्ष कार्यक्रमों के लिए निधियों की कम आवश्यकता होने के कारण हुई।

(घ) ''मेघा ट्रोपिक्यूज'' - 504.36 लाख रु. की बचत (800.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) सुपुर्दगी कार्यक्रमों के आधार पर निर्माण और परीक्षण प्रभारों को स्थगित किए जाने के कारण हुई।

(ङ) ''संवेदक पेलोड विकास/ग्रहीय विज्ञान कार्यक्रम'' - 1968.20 लाख रु. की बचत (2325.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) कार्यक्रम संबंधी समीक्षा के आधार पर ग्रह अन्वेषण सुविधाओं की स्थापना किए जाने के लिए संवेदक पेलोड विकास संबंधी व्यय को चरणबद्ध किए जाने के कारण हुई।

(च) ''रेस्पांड'' - 252.23 लाख रु. की बचत (1300.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) निधीयन सहायता के लिए प्राप्त परियोजना प्रस्तावों संबंधी आवश्यकता के कम होने के कारण हुई।

base creation, airborne synthetic radar development and other activities.

(C) "Space Sciences" -

(a) "ISRO –Geosphere Biosphere Programme (ISRO-GBP)" – saving of Rs.508.41 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.2532.00 lakhs) was due to less requirement for special aerosol, radioactive, small satellite mission utilisation and Regional Climate Modeling and Impact Assessment.

(b) "National Atmospheric Research Laboratory (NARL)" – saving of Rs.167.00 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.962.00 lakhs) was due to less requirement towards cloud radar and wind profiler activities based on development status.

(c) "Other Schemes" – saving of Rs.913.07 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.1651.00 lakhs) was due to reduced funds requirement for Multi-institutional Projects, Microgravity studies and other space programmes.

(d) "Megha -Tropiques" – saving of Rs.504.36 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.800.00 lakhs) was due to postponement of fabrication and testing charges based on delivery schedules.

(e) "Sensor Payload Development/Planetary Science Programme" – saving of Rs.1968.20 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.2325.00 lakhs) was due to phasing out of expenditure on Sensor Payload Development for setting up of planetary exploration facilities based on programmatic review.

(f) "RESPOND" – saving of Rs.252.23 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.1300.00 lakhs) was due to reduced requirement for project proposals received for funding support.

(छ) ''एस्ट्रोसैट'' - 404.68 लाख रु. की बचत (500.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) निर्माण और परीक्षण प्रभारों के लिए कम आवश्यकता होने के कारण हुई।

(g) "Astrosat"– saving of Rs.404.68 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.500.00 lakhs) was due to less requirement for fabrication and testing charges.

(ज) ''भारतीय चंद्र मिशन - चंद्रयान-1'' - 548.00 लाख रु. की बचत (800.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) अंतरिक्षयान परीक्षण कार्यक्रम के आधार पर निर्माण और परीक्षण संबंधी व्यय को चरणबद्ध किए जाने के कारण हुई।

(h) "Indian Lunar Mission – Chandrayaan–1" – saving of Rs.548.00 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.800.00 lakhs) was due to phasing out of expenditure on fabrication and testing based on spacecraft test schedule.

(झ) ''वायुमंडल विज्ञान कार्यक्रम'' - 619.00 लाख रु. की बचत (1863.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) क्षेत्रीय मौसम पूर्वानुमान और वायुमंडलीय अनुसंधान कार्यक्रमों पर कम व्यय होने के कारण हुई।

(i) "Atmospheric Science Programme" – saving of Rs.619.00 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.1863.00 lakhs) was due to less expenditure on regional weather prediction and atmospheric research programmes.

(घा) ''अंतर्राष्ट्रीय सहयोग - एशिया और पैसिफिक में अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी शिक्षा केंद्र'' - 128.00 लाख रु. की बचत (272.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) एशिया और पैसिफिक में अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी शिक्षा केंद्र के कार्यकलापों के लिए कम आवश्यकता होने के कारण हुई।

(D) "International Co-operation – Centre for Space Science and Technology Education in Asia and the Pacific (CSSTE – AP)" – saving of Rs.128.00 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.272.00 lakhs) was due to reduced requirement for CSSTE-AP activities.

(ङ) ''अन्य व्यय - विशेष स्वदेशीकरण/उन्नत आदेशन'' - 2170.54 लाख रु. की बचत (3045.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) विकास की स्थिति की समीक्षा के आधार पर इलेक्ट्रानिक संघटकों, उपकरणों और अंतरिक्ष सामग्रियों के विकास संबंधी व्यय को स्थगित किए जाने के कारण हुई।

(E) "Other Expenditure - Special Indigenisation/Advanced Ordering" – saving of Rs.2170.54 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.3045.00 lakhs) was due to postponement of expenditure on development of electronic components, devices and space materials based on a review of the development status.

(IV) एक शीर्ष के अंतर्गत 60.80 लाख रु. की बचत हुई जो स्वीकृत प्रावधान का 15 प्रतिशत थी।

(IV) Under one head saving of Rs.60.80 lakhs occurred constituting 15 percent of the sanctioned provision.

3. उपर्युक्त बचतें मुख्य शीर्ष ''3402'' के अंतर्गत निम्नलिखित शीर्षों के अंतर्गत अधिक व्यय द्वारा आंशिक रूप से प्रतिसंतुलित हो गईं:-

3. The above savings were partly offset by excess under Major Head "3402" – under the following heads:-

(का) ''निदेशन और प्रशासन - भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन मुख्यालय'' - 345.10 लाख रु. का अधिक व्यय (2210.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) बंगलौर

(A) "Direction and Administration" – Indian Space Research Organisation Headquarters" - excess of Rs.345.10 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.2210.00 lakhs) was due to

का ए-1 श्रेणी नगर के रूप में पुनर्वर्गीकरण किए जाने के परिणामस्वरूप मकान किराया भत्तों की उच्च दर पर अदायगी किए जाने और प्रक्षेपण कार्यकलापों, अधिप्राप्ति से संबंधित यात्रा व्ययों तथा कार्यालय उपस्करों की अनुरक्षण लागत में वृद्धि होने के कारण हुआ।

(ख) ''अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी'' -

(क) ''इसरो जड़त्वीय प्रणाली इकाई'' - 270.13 लाख रु. का अधिक व्यय (1094.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) उन्नत जड़त्वीय प्रणालियों के विकास के लिए अपेक्षित सुविधाओं और आपूर्तियों एवं सामग्रियों में वृद्धि होने के कारण हुआ।

(ख) ''पीएसएलवी सतत परियोजना'' - 5570.93 लाख रु. का अधिक व्यय (15561.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) सी28 तक अतिरिक्त पीएसएलवी उड़ानों के लिए सामग्री की अधिप्राप्ति और निर्माण प्रभारों के कारण हुआ।

(ग) ''इसरो उपग्रह केंद्र'' - 276.60 लाख रु. का अधिक व्यय (12212.50 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) अंतरिक्षयान के लिए जटिल हाई-रील इलेक्ट्रानिक संघटकों की अधिप्राप्ति किए जाने, उपग्रह परियोजनाओं के बढ़ते कार्यकलापों को ध्यान में रखते हुए परीक्षण सुविधाओं की चालू लागत, बंगलौर का ए-1 नगर के रूप में पुनर्वर्गीकरण किए जाने के परिणामस्वरूप मकान किराया भत्तों की उच्च दर होने, व्यावसायिक अद्यतन भत्ते/प्रक्षेपण अभियान भत्ते की बकाया राशि की अदायगी, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल की सेवाओं के लिए चिकित्सा और स्थापना प्रभारों में वृद्धि होने के कारण हुआ।

(घ) ''सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र'' - 935.99 लाख रु. का अधिक व्यय (12465.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) प्रक्षेपण सहायता कार्यकलापों, एसपीपी, सुल्लुरपेट अस्पताल के प्रचालन में वृद्धि होने और लघु निर्माण कार्यों की अतिरिक्त आवश्यकता होने के कारण हुआ।

(ङ) ''सेमी कंडक्टर प्रयोगशाला'' - 338.00 लाख रु. का अधिक व्यय (3612.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) वीएलएसआई निर्माण और परीक्षण

payment of higher rate of house rent allowances consequent on reclassification of bangalore as A–1 class city and increase in travel expenses relating to launch activities, procurement and maintenance cost of office equipments.

(B) "Space Technology" –

(a) "ISRO Inertial Systems Unit (IISU)" - excess of Rs.270.13 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.1094.00 lakhs) was due to augmentation of facilities and supplies and materials required for development of advanced inertial systems.

(b) "PSLV Continuation Project" – excess of Rs.5570.93 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.15561.00 lakhs) was due to procurement of material and fabrication charges for additional PSLV flights upto C28.

(c) "ISRO Satellite Centre (ISAC)" - excess of Rs.276.60 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.12212.50 lakhs) was due to procurement of critical hi-rel electronic components for spacecraft, running cost of test facilitates in view of increased activities on satellite projects, higher rate of house rent allowances due to reclassification of Bangalore as A–1 class city, payment of arrears of professional update allowance/launch campaign allowance, increase in medical and establishment charges for CISF services.

(d) "Satish Dhawan Space Centre (SDSC-SHAR)" - excess of Rs.935.99 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.12465.00 lakhs) was due to increased launch support activities, operation of SPP, Sullurpeta Hospital and additional requirement of minor works.

(e) "Semi Conductor Laboratory" - excess of Rs.338.00 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.3612.00 lakhs) was

कार्यकलापों और वेतन एवं कार्यालय व्यय के लिए अधिक आवश्यकता होने के कारण हुआ।

towards VLSI fabrication and testing activities and enhanced requirement towards salary and office expenses.

(च) ''भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान'' - 468.78 लाख रु. का अधिक व्यय (1000.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) आवश्यक सुविधाओं सहित संस्थान की स्थापना किए जाने के कारण हुआ।

(f) "Indian Institute of Space Science and Technology" - excess of Rs.468.78 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.1000.00 lakhs) was due to setting up of the Institute along with necessary facilities.

(गा) ''अंतरिक्ष विज्ञान - भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला'' - 335.00 लाख रु. का अधिक व्यय (4652.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) खगोल विज्ञान, खगोल भौतिकी और ग्रहीय अन्वेषण के क्षेत्र में अनुसंधान कार्यक्रमों और साथ ही वेतन, यात्रा तथा प्रशासनिक व्ययों के लिए अतिरिक्त निधियों की आवश्यकता होने के कारण हुआ।

(C) "Space Sciences - Physical Research Laboratory (PRL)" - excess of Rs.335.00 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.4652.00 lakhs) was due to additional requirement of funds for research programmes in the area of astronomy, astrophysics and planetary exploration and also towards salary, travel and administrative expenses.

4. अनुदान के पूंजीगत भाग के *प्रभारित* अंश में, *3.00 लाख रु.* का *विनियोग* तीन शीर्षों के अंतर्गत पूर्णतया अप्रयुक्त रहा।

4. In the *charged* portion of the capital section of the grant, *appropriation* of *Rs.3.00 lakhs* remained wholly unutilised under three heads.

5. अनुदान के पूंजीगत भाग के स्वीकृत अंश में, बचतें/अधिक व्यय निम्नलिखित मुख्य शीर्षों के अंतर्गत हुईं/हुआ:-

5. In the voted portion of the capital section of the grant, savings/excess occurred under the following major heads:-

(लाख रुपयों में)
(In lakhs of rupees)

शीर्ष	Head		कुल अनुदान Total grant	वास्तविक व्यय Actual expenditure	बचत- Saving–
मुख्य शीर्ष ''5252'' उपग्रह प्रणालियों पर पूंजीगत परिव्यय	Major Head "5252" Capital Outlay on Satellite Systems				
मू.	O.	36042.00	47452.00	47431.02	–20.98
पु.	R.	11410.00			
मुख्य शीर्ष ''5402'' अंतरिक्ष अनुसंधान पर पूंजीगत परिव्यय	Major Head "5402" Capital Outlay on Space Research				
मू.	O.	122051.00	90488.00	90077.47	–410.53
पु.	R.	–31563.00			

(I) 28221.00 लाख रु. का प्रावधान दस शीर्षों के अंतर्गत पूर्णतया अप्रयुक्त रहा; जिसमें से 28055.00 लाख रु. मुख्य शीर्ष "5402" के अंतर्गत निम्नलिखित शीर्षों के अंतर्गत लेखाबद्ध किए गए:-

(का) "अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी" -

(क) "उन्नत संचार उपग्रह" - 200.00 लाख रु. परियोजना को अनुमोदन प्रदान न किए जाने के कारण थे।

(ख) "मानवयुक्त मिशन का सूत्रपात" - 2500.00 लाख रु. परियोजना निष्पादन के प्रारंभिक चरण में होने के कारण थे।

(ग) "सेमी कंडक्टर प्रयोगशाला" - 500.00 लाख रु. स्थानीय प्राधिकारियों से निकासी प्राप्त करने में विलंब होने के कारण थे।

(घ) "सेमी क्रायोजेनिक इंजन/चरण विकास" - 1500.00 लाख रु.; और

(ङ) "भू प्रेक्षण - नया मिशन" - 2500.00 लाख रु.।

उपर्युक्त दो शीर्षों के अंतर्गत प्रावधान परियोजना के लिए वित्तीय स्वीकृति प्राप्त न होने के कारण अप्रयुक्त रहा।

(खा) "अन्य व्यय - विशेष स्वदेशीकरण/अग्रिम आदेशन" - 20855.00 लाख रु. एससीएल चंडीगढ़ में वीएलएसआई निर्माण सुविधाओं के उन्नयन संबंधी व्यय को स्थगित किए जाने के कारण थे।

(II) मुख्य शीर्ष "5252" के अंतर्गत बचतें निम्नलिखित शीर्षों के अंतर्गत हुईं:-

(का) "अंतरिक्षयान- इन्सेट-4 उपग्रह" - 7131.58 लाख रु. की बचत (22200.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) सुपुर्दगी कार्यक्रमों के आधार पर उपस्करों के परीक्षण और निर्माण को अगले वर्ष के लिए स्थगित किए जाने, जीसेट-9 और अनुवर्ती उपग्रहों संबंधी सामग्रियों और संघटकों के लिए कम आवश्यकता होने के कारण हुई।

(I) Provision of Rs.28221.00 lakhs remained wholly unutilised under ten heads; of these Rs.28055.00 lakhs accounted for under Major Head "5402" – under the following heads:-

(A) "Space Technology"

(a) "Advance Communication Satellite" – Rs.200.00 lakhs - due to non-approval of the project.

(b) "Manned Mission Intiatives" – Rs.2500.00 lakhs - due to project being in the preliminary stages of execution.

(c) "Semi Conductor Laboratory" – Rs.500.00 lakhs - due to delay in obtaining clearance from local authorities.

(d) "Semi Cryogenic Engine/Stage Development" – Rs.1500.00 lakhs; and

(e) "Earth Observation - New Mission" – Rs.2500.00 lakhs.

Provisions under the above two heads remained unutilised due to non-receipt of financial sanction for the project .

(B) "Other Expenditure - Special Indigenisation/Advance Ordering" – Rs.20855.00 lakhs - due to postponement of expenditure on upgradation of VLSI fabrication facilities at SCL Chandigarh.

(II) Under Major Head "5252" – savings occurred under the following heads:-

(A) "Spacecrafts-INSAT–4 Satellites" – saving of Rs.7131.58 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.22200.00 lakhs) was due to postponement of test and fabrication of equipment to next year based on delivery schedules, less requirement for materials and components for GSAT–9 and follow-on satellites.

(खा) ''मुख्य नियंत्रण सुविधा - इनसेट एमसीएफ'' - 1033.77 लाख रु. की बचत (2583.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) भोपाल और हसन की दोनों मुख्य नियंत्रण सुविधाओं में सुविधाओं की वृद्धि संबंधी अदायगियों को चरणबद्ध किए जाने के कारण हुई।

(III) मुख्य शीर्ष ''5402'' के अंतर्गत बचतें निम्नलिखित शीर्षों के अंतर्गत हुईं:-

(का) ''अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी'' -

(क) ''विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र'' - 3028.41 लाख रु. की बचत (9612.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) वायु सुरंग सुविधा के लिए प्रकाशीय प्रणाली संबंधी व्यय को स्थगित किए जाने के कारण हुई।

(ख) ''जीएसएलवी एमके-III विकास'' - 440.36 लाख रु. की बचत (10400.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) एसपीपी और अन्य सुविधाओं संबंधी व्यय को चरणबद्ध किए जाने के कारण हुई।

(ग) ''द्रव प्रणोदन प्रणाली केंद्र'' - 1140.20 लाख रु. की बचत (2032.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) क्रायो उप प्रणाली परीक्षण और अन्य निर्माण कार्यों संबंधी व्यय को स्थगित किए जाने के कारण हुई।

(घ) ''इसरो उपग्रह केंद्र'' - 7202.85 लाख रु. की बचत (8921.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) कार्यक्रम संबंधी निर्णय के आधार पर अंतरिक्षयान के परीक्षण के लिए थर्मोवैक चेम्बर और बहु-संधि सौर सेल सुविधा के निर्माण संबंधी व्यय को चरणबद्ध किए जाने के कारण हुई।

(ङ) ''विद्युत-प्रकाशिकी प्रणाली प्रयोगशाला'' - 667.57 लाख रु. की बचत (954.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) अधिप्राप्ति की स्थिति के आधार पर अल्ट्रासोनिक मिलिंग मशीन के लिए नकदी प्रवाह को स्थगित किए जाने और पुराने विद्युत प्रकाशिकी प्रणाली प्रयोगशाला परिसर के चारों ओर चारदीवारी के निर्माण में विलंब होने के कारण हुई।

(B) "Master Control Facility (MCF)-INSAT MCF" – saving of Rs.1033.77 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.2583.00 lakhs) was due to phasing out of the payments on augmentation of facilities both at MCF Bhopal and Hassan.

(III) Under Major Head "5402" –savings occurred under the following heads:-

(A) "Space Technology" -

(a) "Vikram Sarabhai Space Centre (VSSC)" – saving of Rs.3028.41 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.9612.00 lakhs) was due to postponement of expenditure on Optical system for Wind Tunnel Facility.

(b) "GSLV MK-III Development" – saving of Rs.440.36 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.10400.00 lakhs) was due to phasing out of expenditure related to SPP and other facilities.

(c) "Liquid Propulsion Systems Centre (LPSC)" – saving of Rs.1140.20 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.2032.00 lakhs) was due to postponement of expenditure on Cryo sub-system testing and other works.

(d) "ISRO Satellite Centre (ISAC)" - saving of Rs.7202.85 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.8921.00 lakhs) was due to phasing out of expenditure on Thermovac Chamber for testing of spacecraft and fabrication of Multi-junction solar cell facility based on programmatic consideration.

(e) "Laboratory for Electro-Optics System (LEOS)" – saving of Rs.667.57 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.954.00 lakhs) was due to postponement of cash flow for Ultrasonic Milling Machine based on procurement status and delay in construction of compound wall around old LEOS Campus.

(च) ''रिसोर्ससेट-2'' - 125.46 लाख रु. की बचत (4400.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) परीक्षण उपस्करों की अधिप्राप्ति को अगले वर्ष के लिए स्थगित किए जाने के कारण हुई।

(छ) ''भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान'' - 500.00 लाख रु. की बचत (6500.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) परीक्षण उपस्कर की अधिप्राप्ति को अगले वित्तीय वर्ष के लिए स्थगित किए जाने के कारण हुई।

(खा) ''अंतरिक्ष अनुप्रयोग'' -

(क) ''अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र'' - 1790.83 लाख रु. की बचत (3704.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) निर्माण और परीक्षण उपस्करों संबंधी व्यय को अगले वर्ष के लिए स्थगित किए जाने के कारण हुई।

(ख) ''विकास और शैक्षिक संचार इकाई'' - 232.01 लाख रु. की बचत (400.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) वीडियो/आडियो उपस्करों संबंधी अदायगी को अगले वर्ष के लिए चरणबद्ध किए जाने के कारण हुई।

(गा) ''आवास'' -

(क) ''विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र'' - 539.00 लाख रु. की बचत (581.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) निविदाओं को अंतिम रूप दिए जाने में विलंब होने के कारण हुई।

(ख) ''केंद्रीय प्रबंधन'' - 138.20 लाख रु. की बचत (512.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) अंतरिक्ष भवन में नए सभागार पर होने वाले व्यय को अगले वित्तीय वर्ष के लिए जमा कर दिए जाने के कारण हुई।

(ग) ''इसरो उपग्रह केंद्र'' - 123.88 लाख रु. की बचत (171.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) मराथल्ली में वैज्ञानिकों के छात्रावास संबंधी व्यय को स्थगित किए जाने के कारण हुई।

(f) "Resourcesat–2"–saving of Rs.125.46 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.4400.00 lakhs) was due to postponement of procurement of test equipments to next year.

(g) "Indian Institute of Space Science and Technology"– saving of Rs.500.00 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.6500.00 lakhs) was due to postponement of procurement of test equipment to the next financial year.

(B) "Space Applications" -

(a) "Space Applications Centre (SAC)" – saving of Rs.1790.83 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.3704.00 lakhs) was due to postponement of expenditure on fabrication and test equipments to the next year.

(b) "Development and Educational Communication Unit (DECU)" – saving of Rs.232.01 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.400.00 lakhs) was due to phasing out of payment on video/audio equipments to next year.

(C) "Housing" -

(a) "Vikram Sarabhai Space Centre (VSSC)" – saving of Rs.539.00 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.581.00 lakhs) was due to delay in finalisation of tenders.

(b) "Central Management" – saving of Rs.138.20 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.512.00 lakhs) was due to spill-over of expenditure on new Auditorium in Antariksh Bhavan to next financial year.

(c) "ISRO Satellite Centre" – saving of Rs.123.88 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.171.00 lakhs) was due to postponement of expenditure on scientists hostel at Marathalli.

(IV) एक शीर्ष के अंतर्गत 71.06 लाख रु. की बचत हुई जो स्वीकृत प्रावधान का 16 प्रतिशत थी।

6. उपर्युक्त बचतें निम्नलिखित मुख्य शीर्षों के अंतर्गत अधिक व्यय द्वारा आंशिक रूप से प्रतिसंतुलित हो गईं:-

(I) मुख्य शीर्ष "5252" - "अंतरिक्षयान" -

(का) "इन्सेट-3 उपग्रह" - 2046.02 लाख रु. का अधिक व्यय (1275.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) अंतरिक्षयान के लिए पेलोड संघटकों और अपेक्षित सामग्रियों की अधिप्राप्ति के लिए पिछले वर्ष की जमा अदायगियों के कारण हुआ।

(खा) "इन्सेट-4 प्रक्षेपण सेवाएं" - 17524.91 लाख रु. का अधिक व्यय (9900.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) संविदा की शर्तों के अनुसार इन्सेट-4जी प्रक्षेपण सेवाओं के लिए लक्ष्य आधारित अदायगियों के लिए निधियों की अतिरिक्त आवश्यकता होने के कारण हुआ।

(II) मुख्य शीर्ष "5402" -

(का) "अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी" -

(क) "इसरो टेलीमीटरी, ट्रैकिंग एवं कमान नेटवर्क" - 838.87 लाख रु. का अधिक व्यय (2615.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में)आईएसटीआरएसी भू केंद्रों के आधुनिकीकरण के संबंध में पिछले वर्ष से जमा अदागियां होने के कारण हुआ।

(ख) "इसरो रेडार विकास इकाई" - 109.99 लाख रु. का अधिक व्यय (17.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) रेडारों के विकास और आंकड़ा प्रतिरूपण/विश्लेषण उपस्करों के लिए अतिरिक्त आवश्यकता होने के कारण हुआ।

(ग) "जीएसएलवी प्रचालनात्मक परियोजना" - 334.22 लाख रु. का अधिक व्यय (1364.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) प्रक्षेपण वाहन उत्पादन से संबंधित प्रक्षेपण परिसर सुविधाओं और परीक्षण/

(IV) Under one head saving of Rs.71.06 lakhs occurred constituting 16 percent of the sanctioned provision.

6. The above savings were partly offset by excess under the following major heads:-

(I) Major Head "5252" - "Spacecrafts" -

(A) "INSAT–3 Satellites" – excess of Rs.2046.02 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.1275.00 lakhs) was due to spill-over payments from last year towards procurement of payload components and materials required for the spacecraft.

(B) "INSAT–4 Launch Services" – excess of Rs.17524.91 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.9900.00 lakhs) was due to additional requirement of funds for milestone payments for INSAT–4G launch services as per the contract terms.

(II) Major Head "5402" –

(A) "Space Technology" -

(a) "ISRO Telemetry, Tracking and Command Network (ISTRAC)" – excess of Rs.838.87 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.2615.00 lakhs) was due to spill-over payments from previous year related to modernisation of ISTRAC Ground Stations.

(b) "ISRO Radar Development Unit (ISRAD)" – excess of Rs.109.99 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.17.00 lakhs) was due to additional requirement towards development of Radars and data modelling /analysis equipments.

(c) "GSLV Operational Project"– excess of Rs.334.22 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.1364.00 lakhs) was due additional requirement towards spill-over payments related to launch complex

निर्माण सुविधाओं से संबंधित जमा अदायगियों के लिए अतिरिक्त आवश्यकता होने के कारण हुआ।

(घ) ''रिसेट-1'' - 1155.83 लाख रु. का अधिक व्यय (4400.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) पिछले वर्ष से जमा अदायगियों के कारण हुआ।

(ङ) ''ओशनसेट-2'' - 553.75 लाख रु. का अधिक व्यय (2100.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) अंतरिक्षयान सामग्रियों और संघटकों तथा पेलोड संघटकों और सामग्रियों के लिए पिछले वर्ष से जमा अदायगियों के लिए अतिरिक्त आवश्यकता होने के कारण हुआ।

(खा) ''अंतरिक्ष अनुप्रयोग'' -

(क) ''क्षेत्रीय सुदूर संवेदन सेवा केंद्र'' - 4321.63 लाख रु. का अधिक व्यय (633.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) बंगलौर में 40 एकड़ भूमि के अधिग्रहण के लिए अतिरिक्त आवश्यकता होने के कारण हुआ।

(ख) ''आपदा प्रबंधन प्रणाली'' - 2681.80 लाख रु. का अधिक व्यय (3000.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) आपदा प्रबंधन प्रणाली अनुप्रयोगों के लिए पूर्वोत्तर में डोपलर मौसम रेडारों की स्थापना और यंत्रीकृत विमानों की अधिप्राप्ति के लिए अतिरिक्त आवश्यकता होने के कारण हुआ।

(गा) ''अंतरिक्ष विज्ञान'' -

(क) ''एस्ट्रोसेट'' - 766.27 लाख रु. का अधिक व्यय (3500.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) पेलोड और अंतरिक्षयान परीक्षण और निर्माण सुविधाएं स्थापित किए जाने और अंतरिक्षयान एवं पेलोड विकास के लिए सामग्रियों और संघटकों की अधिप्राप्ति के लिए अतिरिक्त आवश्यकता होने के कारण हुआ।

(ख) ''भारतीय चंद्र मिशन - चंद्रयान-1'' - 1473.95 लाख रु. का अधिक व्यय (8800.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) गहन अंतरिक्ष नेटवर्क

facilities and test/fabrication facilities related to launch vehicle production.

(d) "RISAT–1" – excess of Rs.1155.83 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.4400.00 lakhs) was due to spill-over payments from last year.

(e) "Oceansat–2" – excess of Rs.553.75 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.2100.00 lakhs) was due to additional requirement towards spill-over payments from the last year towards spacecraft materials and components and payload components and materials.

(B) "Space applications" -

(a) "Regional Remote Sensing Service Centres (RRSSCs)" - excess of Rs.4321.63 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.633.00 lakhs) was due to additional requirement for acquisition of 40 acres of land in Bangalore.

(b) "Disaster Management System (DMS)" – excess of Rs.2681.80 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.3000.00 lakhs) was due to additional requirement for setting up of Doppler Weather Radars in North East and procurement of instrumented aircraft for DMS applications.

(C) "Space Sciences" -

(a) "Astrosat" – excess of Rs.766.27 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.3500.00 lakhs) was due to additional requirement for setting up of Payload and spacecraft test and fabrication facilities and procurement of materials and components for spacecraft and payload development.

(b) "Indian Lunar Mission – Chandrayaan-1" – excess of Rs.1473.95 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.8800.00 lakhs) was due to additional requirement towards

की स्थापना, अंतरिक्ष विज्ञान आंकड़ा केंद्र की स्थापना और अंतरिक्षयान एवं पेलोड विकास संबंधी सामग्रियों और संघटकों की अधिप्राप्ति के लिए पिछले वर्षों से जमा अदायगियों के लिए अतिरिक्त आवश्यकता होने के कारण हुआ।

(घा) ''आवास - सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र - शार'' - 139.99 लाख रु. का अधिक व्यय (510.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) एसडीएससी-शार, श्रीहरिकोटा में आवास चरण-XIV से संबंधित कार्य की त्वरित प्रगति होने के कारण हुआ।

spill-over payments from previous years towards setting up of Deep Space Network (DSN), establishment of Space Science Data Centre and procurement of materials and components for spacecraft and payload development.

(D) "Housing - Satish Dhawan Space Centre - SHAR" – excess of Rs.139.99 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.510.00 lakhs) was due to accelerated progress of work in respect of Housing Phase-XIV at SDSC-SHAR, Sriharikota.